तापमान

भोपाल	26.0°	39.0°
इंदौर	26.0°	36.0°
जबलपुर	27.0°	36.0°
ग्वालियर	30.0°	41.0 °
सागर	25.0°	36.0 °

नईदुनिया

वर्ष- 80
(भोपालः वर्ष 41 अंक 203, पृष्ठ 12)
ज्येष्ठ, शुक्ल सप्तमी संवत् 2083
रविवार, 21 जून 2026
कीमतः 3:00 रुपये

www.naiduniaonline.com

भोपाल संस्करण

भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

राजधानी... राष्ट्रपति मुर्मु का डुमना विमानतल पर हुआ ...

खेल... फीफा विश्वकप में दिग्गजों को टक्कर दे रहे युवा ...

व्यापार... नोवो नॉर्डिस्क के सिस्टम में सेंधमारी, हैकर्स ने ...

अंचल... विधायक व जिलाधिकारी ने दिखाई हरी ...

रेलवे ने किए कई बड़े फैसले, अब ट्रेन में बिना टिकट यात्रा पर भरना होगा दोगुना जुर्माना

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः भारतीय रेलवे ने अपराध और नियमों के उल्लंघनों के लिए जुर्माने की राशि बढ़ा दी गई है। नए आदेश के तहत अब सीधे मुकदमा नहीं होगा बल्कि पहले पेनल्टी लगाई जाएगी और अगर पेनल्टी नहीं भरी गई तब मामला अदालत में जाएगा। जानकारी के अनुसार, सरकार ने जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) अधिनियम, 2026 के तहत रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 137 और 138 में बदलाव किए हैं। इसके तहत अब न्यूनतम जुर्माना 250 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अब यदि कोई यात्री बिना टिकट, बिना वैध पास या अधिकृत दूरी से आगे यात्रा करते हुए पकड़ा जाता है, तो उसे पहले की तुलना में दोगुना न्यूनतम पेनल्टी भरना होगा। रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 137 के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर बिना उचित टिकट या पास के यात्रा करता है तो उसपर जुर्माना और सजा होगी। पहले की व्यवस्था में न्यूनतम जुर्माना 250 रुपये और अधिकतम 6 महीने तक की जेल या 1,000 रुपये तक जुर्माना या दोनों होती थी। इसके अलावा यात्रा किराए के अलावा अतिरिक्त शुल्क भी देना पड़ता था। नए आदेश के तहत अब न्यूनतम जुर्माना बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है।अधिकतम सजा में कोई बदलाव नहीं किया गया है जबकि अतिरिक्त शुल्क और किराया वसूली की व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी। नए बदलाव के तहत अब रेलवे ने फैसला किया है कि खतरनाक वस्तुएं ले जाने पर कम से कम 10,000 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा और गंभीर मामलों में जेल की सजा भी हो सकती है। इतना ही नहीं, किसी अन्य व्यक्ति के नाम का टिकट लेकर यात्रा करने पर टिकट जब्त होगा और यात्री को टिकट का किराया और कम से कम 500 रुपये अतिरिक्त शुल्क देना होगा। बिना लाइसेंस सामान बेचने, फेरी लगाने या रेलवे परिसर में भीख मांगने पर 2,000 रुपये तक की पेनल्टी लगेगी। वहीं, नियम का बार-बार उल्लंघन करने पर जेल और अधिक जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। नए नियम के तहत अब ट्रेन या स्टेशन पर नशे में यात्रियों को परेशान करने पर टिकट जब्त किया जा सकता है।

खास-खबरें

राष्ट्रपति मुर्मु आज योग कार्यक्रम में भाग लेंगी

नईदुनिया ब्यूरो, जबलपुरः राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु 21 जून को सुबह 7.05 बजे सर्किट हाउस से सदर स्थित गैरिसन ग्राउंड के लिए रवाना होंगी। वे सुबह 7.20 बजे कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगी और सुबह 7.30 बजे से आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। कार्यक्रम में सामूहिक योगाभ्यास कराया जाएगा और स्वास्थ्य तथा योग के महत्व का संदेश दिया जाएगा। योग दिवस कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति सुबह 8.35 बजे गैरिसन ग्राउंड से वापस सर्किट हाउस लौटेंगी। इसके बाद राष्ट्रपति सुबह 11.30 बजे सर्किट हाउस से रवाना होकर 11.40 बजे रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय पहुंचेंगी। यहां वे सुबह 11.50 बजे से दोपहर 12.50 बजे तक आयोजित विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी।

कैलाश मानसरोवर यात्रा का पहला जत्था

नाथू ला, एजेंसीः कैलाश मानसरोवर यात्रा 2026 के तहत तीर्थयात्रियों का पहला जत्था शनिवार को भारत-चीन सीमा पर स्थित नाथू ला दर्रे से चीन में प्रवेश कर गया। इसके साथ ही पवित्र कैलाश मानसरोवर के लिए उनकी आगे की यात्रा शुरू हो गई है। पहले जत्थे में कुल 44 तीर्थयात्री शामिल हैं।दल में 32 पुरुष तथा 12 महिला श्रद्धालु शामिल हैं। यात्री बिहार, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, तमिलनाडु, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा सहित देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे हैं। विदेश मंत्रालय प्रतिवर्ष जून से अगस्त अथवा सितंबर के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा का आयोजन करता है। यह यात्रा दो मार्गों से संचालित की जाती हैं, जिनमें लिपुलेख दर्रा और नाथू ला दर्रा शामिल हैं।

संघ कार्यालय पर हमले के तार दुबई से जुड़े

नईदुनिया ब्यूरो, रांचीः रांची में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय पर पेट्रोल बम हमले के मामले में पुलिस जांच में नई जानकारियां सामने आई हैं। गिरफ्तार आरोपी अमन अंसारी ने पूछताछ में बताया कि हमले के निर्देश दुबई से मिले थे। पुलिस के अनुसार रांची के बाद लखनऊ को भी निशाना बनाने की योजना थी। मामले में तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। घटना के बाद अमन अंसारी और सैफ अंसारी कानपुर जाने के लिए रवाना हुए थे, लेकिन पुलिस ने दोनों को गझंडी स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया।

देश के 551 और विदेश के 14 शहरों में 5000 से अधिक परीक्षा केंद्र

नीट-यूजी पुनर्परीक्षा आज, 22.79 लाख अभ्यर्थी होंगे सम्मिलित

- दो लाख से अधिक कर्मी तैनात, अभ्यर्थियों से अफवाहों से दूर रहने की अपील

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः नीट-यूजी पुनर्परीक्षा 21 जून को आयोजित की जाएगी, जिसमें 22.79 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा के लिए देश के 551 शहरों तथा विदेश के 14 शहरों में पांच हजार से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के अनुसार परीक्षा संचालन के लिए दो लाख से अधिक कर्मी, 674 नगर समन्वयक और 6,669 पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं।

परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम 5:15 बजे तक कलम और कागज पद्धति से आयोजित होगी। दिव्यांग और विशेष रूप से सक्षम पात्र अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय दिया जाएगा तथा उन्हें शाम 6:20 बजे तक परीक्षा देने की अनुमति होगी। तीन मई को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा के बाद कई राज्यों से प्रश्नपत्र लीक और अनियमितताओं के आरोप सामने आए थे। जांच में गड़बड़ियों के संकेत मिलने पर 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई थी। इसके बाद पुनर्परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि जिन अभ्यर्थियों ने नया प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लिया है, उन्हें दोबारा डाउनलोड करने की आवश्यकता नहीं है। तीन मई को जारी प्रवेश पत्र अब मान्य नहीं होंगे, क्योंकि कई अभ्यर्थियों को नए परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए हैं।

परीक्षा की सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रश्नपत्र और अन्य गोपनीय सामग्री सीलबंद व्यवस्था के तहत परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाई जाएगी। सामग्री ले जाने वाले वाहनों में जीपीएस निगरानी होगी तथा उन्हें पुलिस सुरक्षा प्रदान की जाएगी। सभी परीक्षा केंद्र सीसीटीवी निगरानी में रहेंगे और उनकी सीधी निगरानी केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से की जाएगी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने अभ्यर्थियों से केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की है। साथ ही संदिग्ध संदेशों और गतिविधियों की जानकारी संबंधित एजेंसियों को देने को कहा गया है।

केंद्र आवंटन में गड़बड़ी सुधारी

नीट-यूजी पुनर्परीक्षा से एक दिन पहले परीक्षा केंद्र आवंटन में गड़बड़ी के मामले सामने आए हैं। नागपुर के एक छात्र को अबू धाबी स्थित भारतीय विद्यालय में परीक्षा केंद्र आवंटित कर दिया गया, जबकि उसके पास पासपोर्ट नहीं था। शिकायत के बाद केंद्र नागपुर कर दिया गया। इसी तरह भुवनेश्वर की एक छात्रा को देहरादून केंद्र मिला, जिसे बाद में सुधार दिया गया।

ओडिशा को 47,600 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

पहाड़पुर सौर ऊर्जा आधारित आदर्श गांव बनेगाः मोदी

नईदुनिया ब्यूरो, मयूरभंजः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित 'विकास रा धारा, ओडिशा सारा' कार्यक्रम में भाग लिया। मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने लगभग 47,600 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 68वें जन्मदिन पर प्रधानमंत्री ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने न केवल मयूरभंज बल्कि पूरे ओडिशा की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति के ससुराल गांव पहाड़पुर को सौर ऊर्जा आधारित आदर्श गांव के रूप में विकसित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गांव के प्रत्येक घर तक सौर ऊर्जा पहुंचाई जाएगी और इसकी पहचान कोणार्क सूर्य मंदिर की तरह एक विशिष्ट मॉडल गांव के रूप में स्थापित की जाएगी।

प्रधानमंत्री राष्ट्रपति मुर्मू के साथ पहाड़पुर भी पहुंचे। वहां उन्होंने कौशल प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया और छात्राओं से संवाद किया। दोनों नेताओं ने संथाल समुदाय के पवित्र स्थलों संथाली जाहेरा और हो जाहेरा में पूजा-अर्चना भी की। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि ओडिशा में उत्सव और विकास दोनों का वातावरण है। उन्होंने राज्य सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर बधाई देते हुए कहा कि वर्ष 2036 में ओडिशा के गठन के 100 वर्ष और वर्ष 2047 में देश की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होंगे। प्रधानमंत्री ने ऊर्जा, औद्योगिक आधारभूत संरचना, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और सिंचाई से जुड़ी अनेक परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें 600 मेगावाट की अपर इंद्रावती पंप भंडारण परियोजना, आईबी ताप विद्युत केंद्र विस्तार योजना, कोयला गैसीकरण व अन्य योजनाएं शामिल हैं।

मंदिर की छत ढहने से 7 की मौत, 25 घायल

नईदुनिया ब्यूरो, परभणीः महाराष्ट्र के परभणी जिले में स्थित यशवाड़ी देवस्थान के हनुमान मंदिर परिसर में शनिवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। मंदिर के सामने निर्माणाधीन सभा मंडप की छत अचानक ढह जाने से सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना दोपहर लगभग तीन बजे की बताई जा रही है। उस समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में कीर्तन और महाप्रसाद में शामिल थे। शनिवार होने के कारण मंदिर में सामान्य दिनों की तुलना में अधिक भीड़ थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लोग प्रसाद ग्रहण कर रहे थे, तभी निर्माणाधीन सभा मंडप का ढांचा अचानक भरभराकर गिर पड़ा और उसके नीचे कई लोग दब गए।

हादसे के बाद मंदिर परिसर में अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने तुरंत मलबा हटाकर दबे लोगों को निकालने का प्रयास शुरू किया। बाद में पुलिस, प्रशासन और राहत दल मौके पर पहुंचे तथा बचाव अभियान चलाया गया।

जिला प्रशासन के अनुसार हादसे में कुल 32 लोग प्रभावित हुए। इनमें से सात लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि 25 घायल हुए हैं। प्रशासन ने बताया कि निर्माणाधीन सभा मंडप पत्थरों से बनाया जा रहा था। मंडप के ढहने से भारी पत्थर श्रद्धालुओं पर गिर गए, जिससे उन्हें संभलने का अवसर नहीं मिला।

फोरलेन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर बनेगा विकास का पर्यायः डॉ. यादव

- मुख्यमंत्री ने 5,657 करोड़ के विकास कार्यों की दी सौगात

नईदुनिया ब्यूरो, इंदौरः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र के चंद्रावतीगंज में इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर परियोजना का भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर 5,657 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात प्रदेशवासियों को दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लगभग 48 किलोमीटर लंबे फोरलेन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर का निर्माण 2,935 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। यह मार्ग इंदौर के पितृ पर्वत क्षेत्र से उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर के समीप सिंहस्थ बायपास तक पहुंचेगा। इसके निर्माण से इंदौर और उज्जैन के बीच आवागमन सुगम होगा तथा सिंहस्थ-2028 में आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना उज्जैन, सांवेर और इंदौर क्षेत्र के विकास का नया पर्याय बनेगी तथा उद्योग, व्यापार, कृषि और रोजगार को गति प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हेलमेट सुरक्षा अभियान का भी शुभारंभ किया और हितग्राहियों को हेलमेट वितरित किए।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत 42 हजार से अधिक आवासों का भूमि-पूजन किया गया, जबकि 38 हजार आवासों में गृह-प्रवेश कराया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी संपन्न हुआ। स्वनिधि योजना के तहत 20 हजार छोटे व्यापारियों को 51 करोड़ रुपये की सहायता राशि जारी की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश ने किसानों से सर्वाधिक गेहूं खरीदकर राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रदेश के लगभग 14 लाख किसानों से गेहूं उपार्जित कर प्रति क्विंटल 2,625 रुपये का भुगतान किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसान, महिला और गरीब कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव दूरदर्शी सोच रखने वाले नेता हैं और उनके नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि विरासत और विकास को साथ लेकर प्रदेश आगे बढ़ रहा है तथा उज्जैन को देश के प्रमुख आस्था केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन शनिवार को निर्धारित समय समाप्त होने के बाद भी जारी रहा। प्रदर्शन की अनुमति शाम पांच बजे तक थी, लेकिन संगठन के संस्थापक अभिजीत दीपके सहित कार्यकर्ता देर शाम तक डटे रहे। प्रदर्शनकारियों ने थाली बजाकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के विरोध में नारे लगाए। समय सीमा समाप्त होने के बाद पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से स्थल खाली करने को कहा। पुलिस ने कहा कि प्रदर्शन की अवधि बढ़ाने की अनुमति नहीं दी गई है।

प्रतिबंध स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा- लाभ से अधिक जोखिम, मरीजों की सुरक्षा को प्राथमिकता...

केन्द्र सरकार ने 16 दवा काम्बिनेशन पर लगाई रोक

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने देशभर में 16 निश्चित मात्रा दवा काम्बिनेशन के निर्माण, वितरण, बिक्री और आपूर्ति पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इन दवाओं से मरीजों को होने वाले संभावित लाभ की तुलना में जोखिम अधिक पाए गए हैं तथा इनके उपयोग से उपचार संबंधी कोई विशेष फायदा सामने नहीं आया है।

मंत्रालय के अनुसार यह निर्णय आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दवाओं के वैज्ञानिक एवं जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लिया गया है। सरकार का मानना है कि बाजार में केवल वही दवाएं उपलब्ध रहनी चाहिए जो वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित, सुरक्षित और प्रभावी हों।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह निर्णय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों तथा विभिन्न दवा संयोजनों की विस्तृत समीक्षा के आधार पर लिया गया है। इसके लिए औषधि तकनीकी सलाहकार मंडल द्वारा एक विशेषज्ञ समिति गठित की गई थी। समिति ने कई दवा काम्बिनेशन की जांच की और कुछ को अवैज्ञानिक, उपचार की दृष्टि से अनावश्यक तथा मरीजों के लिए संभावित रूप से हानिकारक पाया।

यह प्रतिबंध औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 26ए के तहत जारी अधिसूचनाओं के माध्यम से लागू किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि पूर्व में भी वैज्ञानिक मूल्यांकन के आधार पर कई गैर-तर्कसंगत दवा संयोजनों पर रोक लगाई जा चुकी है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों के औषधि नियंत्रकों, नियामक संस्थाओं तथा प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिया है कि प्रतिबंध संबंधी आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही दवा निर्माता, आयातक, वितरक और अन्य संबंधित पक्षों को भी कानून के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार निश्चित मात्रा दवा काम्बिनेशन वे औषधियां होती हैं जिनमें दो या अधिक सक्रिय औषधीय घटकों को निर्धारित अनुपात में एक ही गोली, कैप्सूल अथवा सिरप में मिलाया जाता है। कई स्थितियों में ऐसे संयोजन उपचार को सरल बनाते हैं और मरीज को अलग-अलग दवाएं लेने की आवश्यकता कम होती है।

हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि सभी दवा काम्बिनेशन वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होते। बिना पर्याप्त शोध या चिकित्सकीय आवश्यकता के विभिन्न दवाओं को एक साथ मिलाने से दुष्प्रभावों का खतरा बढ़ सकता है। इससे दवा का प्रभाव भी कम हो सकता है और किसी समस्या की स्थिति में यह पहचानना कठिन हो जाता है कि उसका कारण कौन-सी दवा है। ऐसे जोखिमों को देखते हुए सरकार ने यह कदम उठाया है।

इजराइल ने महज आठ घंटे में तोड़ा युद्धविराम, लेबनान पर फिर हमले

- ड्रोन और तोपों से हमले में 16 लोगों की मौत, नेतन्याहू बोले- अभियान जारी रहेंगे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसीः इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच शुक्रवार को हुए युद्धविराम समझौते के महज आठ घंटे बाद ही दक्षिणी लेबनान में फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू हो गई। इजराइली सेना ने ड्रोन और तोपों के जरिए नबातियेह क्षेत्र में हमला किया, जिसमें कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उनका देश अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि गाजा और लेबनान में इजराइल के सैन्य अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, दक्षिणी लेबनान और बेका घाटी में शुक्रवार देर रात से हुए इजराइली हवाई हमलों में 47 लोगों की मौत हुई है, जबकि 97 लोग घायल हुए हैं। दो मार्च से अब तक इस संघर्ष में मरने वालों की संख्या 3,980 तक पहुंच गई है।

अमेरिका-ईरान समझौते के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही बढ़ी है। 18 जून को 25 कारोबारी जहाज इस मार्ग से गुजरे, जो अप्रैल के बाद एक दिन में सबसे अधिक संख्या है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि अगले 60 दिनों तक ईरान को अमेरिका से कोई आर्थिक सहायता नहीं मिलेगी।

अमेरिका-ईरान की वार्ता टलीः अमेरिका और ईरान के बीच शुक्रवार को प्रस्तावित पहली औपचारिक वार्ता फिलहाल टाल दी गई है। लेबनान में जारी इजराइली हमलों को लेकर दोनों पक्षों के बीच मतभेद बने हुए हैं। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि वार्ता की संभावनाएं अभी भी बनी हुई हैं। इधर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच भी बातचीत हुई।